# गुरु के वचन को किया पूरा

केलवाः 10 नवंबर

आचार्यश्री महाश्रमण ने तेरापंथ की उद्गम स्थली केलवा धरती पर चातुर्मास कर अपने गुरु आचार्यश्री महाप्रज्ञ को दिए वचन को पूरा किया है। आचार्यश्री महाप्रज्ञ 2008 में चातुर्मास करने वाले थे, पर स्वास्थ्य आदि कारणों से चातुर्मास नहीं हो सका। यह आचार्यश्री महाश्रमण की वि ोश गुरु भक्ति है, समर्पण है। ऐसे महान गुणों को आत्मसात करने वाला ही महान गुरु बन सकता है।

**अनेक कीर्तिमान स्थापित**

जनसंपर्क प्रभारी मुनि जयंतकुमार ने बताया कि आचार्यश्री महाश्रमण ने केलवा चातुर्मास में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए है। उन्होंने आचार्य भिक्षु की तपोभूमि में विदे ा नेपाल में चातुर्मास करने की घोशणा की। यह 250 वर्शों के इतिहास में किसी आचार्य द्वारा नहीं हुआ है। इसके साथ आचार्यश्री ने एक साथ 2017 तक के चातुर्मास एवं 2018 तक के मर्यादा महोत्सव की घोशणाएं की। यह भी एक कीर्तिमान है। इतनी घोशणाएं एक साथ किसी भी आचार्य द्वारा नहीं की हुई है। इस चातुर्मास में इतनी भीड रही, श्रद्धालुओं का रेलमपेल रहा। जैनों के अलावा अजैन परिवार भी भक्ति भावना से परिपूर्ण रहे। यह भी उल्लेखनीय प्रसंग है। केलवा के जैन अजैनों की इतनी श्रद्धा देखकर आचार्यश्री महाश्रमण स्वयं अभिभूत है। राश्ट्रीय–अन्तरराश्ट्रीय स्तर के अनेक कार्यक्रम हुए। दे ा विदे ा के अनेक महानुभावों का आगमन हुआ। उनमें पूर्व राश्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, अन्ना हजारे, गुजरात के राज्यपाल, ताईवान के राजदूत, अनेकों मंत्री, सांसद, विधायक, राजनीतिक पार्टी अध्यक्ष प्रमुख थे।

**न ाामुक्त केलवा के स्वप्न में सफलता**

आचार्यश्री महाश्रमण ने चातुर्मासिक प्रवे ा पर केलवा को न ाामुक्त बनाने की इच्छा जाहिर की थी और इसके लिए मुनि सुखलाल, मुनि अ ाोककुमार और मुनि जयंतकुमार को नियोजित किया। सभी ने स्थानीय चातुर्मास व्यवस्था समिति, अणुव्रत समिति, युवक परिशद्, कि ाोर मंडल एवं ग्रामीण लोगों के सहयोग से इस कार्य को गति दी। इसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है।

**आध्यात्मिक उत्थान**

केलवा के इस चातुर्मास में श्रावकों का आध्यात्मिक उत्थान हुआ। संवत्सरी के दिन लगभग पांच हजार पौशध का होना इसका उदाहरण है। सैंकडों लोगों ने विभिन्न प्रकार की तपस्याएं की। 30 दिन तक केवल पानी पर रहना बहुत कठिन तपस्या है। ऐसी तपस्या करने वाले अनेक लोग थे। साधु–साध्वियों ने पंचरंगी तप, एकातंर तप आदि तपस्याएं की। हजारों श्रावकों ने सामयिक, उपवास, प्रवचन श्रवण आदि से आत्मा का उत्थान किया।

## पहली बार छोटी उम्र के अध्यक्ष

केलवा चातुर्मास की एक यह भी वि ोश बात थी कि यहां चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोठारी इतनी छोटी उम्र के थे। उनकी युवा और अनुभवी लोगों की टीम थी, जिससे प्रायः अच्छी व्यवस्था रही। सफल होने के लिए केलवा तेरापंथ समाज हकदार है। इस टीम के साथ राज परिवार सहित संपूर्ण ग्रामवासियों का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा।

## यह है आचार्य महाश्रमण का यात्रा पथ

केलवाः 10 नवंबर

आध्यात्म जगत के महासूर्य आचार्यश्री महाश्रमण का आमेट से बाडमेर जिले के बालोतरा जाने का यात्रा पथ कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोठारी ने बताया कि आचार्यश्री 11 नवंबर को केलवा से विहार कर खटामला, 12 को जेतपुरा, 13 व 14 वणोल, 15 गलवा, 16 झोर, 17 कांगणी, 18 व 19 को गंगापुर, 20 नानसा, 21 आमली, 22 महेन्द्रगढ़, 23 सोनियाणा, 24 मानियास, 25 राशमी, 26 चचावटी, 27 भीमगढ़, 28 मुरोली, 29 पहुंना, 30 कारोई, 1 दिसंबर को गुरला 2व 3 को पुर, 4 से 7 दिसंबर भीलवाड़ा, 8 कोटड़ी, 9 पीथास, 10 घाड़ास, 11 बागोर, 12 व 13 बोरियापुरा, 14 अड़सीपुरा, 15 चांदास, 16 चावंडिया, 17 निम्बाहेड़ा, 18 व 19 चितांबा, 20 ईशरमंड, 21 ताल, 22 लसानी, 23 ठीकरवास, 24 टाडगढ़, 25 काछबली, 26 बग्गड़, 27 पीपली, 28 बाघाना, 29 छापली, 30 व 31 देवगढ़, 1 जनवरी को दौलपुरा, 2 मदारिया, 3 कुंदवा, 4 पारड़ी, 5 उमरी, 6 सरेवड़ी, 7 वागड़, 8 साकरड़ा, 9 मोखुंदा, 10 जिलोला, 11 से 13 लावासरदारगढ़, 14 आगरिया, 15 जनवरी को आमेट पहुंचेंगे, जहां 21 दिवसीय मर्यादा महोत्सव कार्यक्रम कर 5 फरवरी को सेलागुड़ा के लिए विहार करेंगे। कोठारी ने बताया कि 6 फरवरी को कुंआथल, 7 को दौलाजी का खेडा, 8 को ननाणा, 9–10 को दिवेर, 11 को कितेला,12 को चारभुजा, 13 को रीछेड, 14 को मजेरा, 15 को कांकरवा, 16 को कुंचोली, 17 को करदा, 18 को रावलिया खुर्द, 19 को गोगुन्दा, 20 को रावलियां कलां, 21 को नान्देशमा, 22 को पदराडा, 23 को सेमड, 24 को सायरा, 25 को मग्धा, 26 को रणकपुर, 27 को सादडी, 28 को मुण्डारा, 29 को रमणिया, 1 व 2 मार्च को रानी, 3 को बरकाणा, 4 को नाडोल, 5 को नीपलखुर्द, 6 को डेयलाना, 7 व 8 को मगरतलाव, 9 को पनोता, 10 को जोजावर, 11 को धनला, 12 व 13 को खिंवाडा, 14 व 15 को जाणुंदा, 16 को आउवा, 17 को बिठौडा, 18 को मारवाड जंक्शन, 19 को गादाणा, 20 व 21 को गुडा रामसिंह, 22 को राणावास, 23 से 25 तक

सिरियारी, 26 को माण्डा, 27 को कंटालिया, 28 को मुसालिया, 29 को सोजतरोड, 30 से एक अप्रेल तक बगडी में प्रवास करेंगे।

एक अप्रेल को सायं सियाट, 2 को सोजतसिटी, 3 को बागावास, शाम को जाडन, 4 को रुपरजत विहार, 4 से 8 तक पाली, 9 को घुमटी, 10 को केरला, 11 को जैतपुरा, 12 को माण्डावास, 13 को गेलावास, 14 को मझल, 15 को करमावास, 16 व 17 को समदडी, 18 को जेठन्तरी, 19 को पारलू, 20 को कानाना, 21 को जानियाना, 22 को बालोतरा पहुंचकर 24 अप्रेल को अक्षय तृतीया के दिन आयोजित कायक्रम में प्रेरणा प्रदान करेंगे।